

FIRMS MANUFACTURING AND IMPORTING DYE-STUFFS

129. SHRI M. GOVINDA REDDY: Will the Minister for HEAVY INDUSTRIES be pleased to state:

(a) the present number of registered dye-stuff manufacturing firms in the country;

(b) the number of applications for licences for the manufacture of dye-stuffs now pending disposal; and

(c) the number of firms which are importing dye-stuffs ?

THE MINISTER FOR COMMERCE AND CONSUMER INDUSTRIES AND HEAVY INDUSTRIES (SHRI MORARJI DESAI): (a) Three.

(b) Eight.

(c) Precise information is not available, as some categories of dye-stuffs are on Open General Licence.

II[LOAN FROM U.S.S.R.

रुससे ऋण

१३०. श्री नवाब सिंह चौहान : क्या उत्पादन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हाल ही में भारत सरकार ने सोवियत समाजवादी गण-राज्य-संघ द्वारा प्रस्तावित लगभग ६० करोड़ रु. का ऋण लेना स्वीकार कर लिया है ; और

(ख) यदि स्वीकार कर लिया है, तो इस ऋण की वास्तविक रकम कितनी है और उसे किन शर्तों पर स्वीकार किया गया है ?

130. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister for PRODUCTION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that recently the Government of India has agreed to accept a loan of about rupees 60 crores offered by the Government of the Union of Soviet Socialist Republics; and

(b) English translation

(b) if so, what is the actual amount of the loan and what are the terms on which the same has been accepted ?]

उत्पादन मंत्री (श्री के सी रेड्डी) : (क) जी, हाँ।

(ख) व्यौरा देने वाला विवरण सभा-पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

रुस द्वारा प्रस्तावित लगभग ६० करोड़ रु० का ऋण

ऋण की रकम—५० करोड़ रुबल (लगभग ५५-६० करोड़ रुपये)

ऋण की शर्तें—यू. एस. एस. आर. की सरकार ने १९५६ से लेकर १९६१ तक ३ वर्षों की अवधि में कुल ५० करोड़ रुबल (लगभग ५५-६० करोड़ रुपये) तक के मूल्य का औद्योगिक साज-सामान देने का प्रस्ताव रखा है। यह ऋण दीर्घ अवधि में चुकाया जायगा।

ऋण की प्रस्तावित शर्तें (जिनमें ऋण को चुकाने की अवधि, व्याज की दर आदि शामिल हैं) वैसी ही हैं, जैसी कि भिलाई स्टील प्लांट की हैं। इन शर्तों के अनुसार जिन-जिन वर्षों में ऋण लिया जाएगा, उनके बाद आने वाले प्रत्येक वर्ष की १५ मार्च को या इससे पहले ऋण बराबर-बराबर १२ वार्षिक किस्तों में चुकाया जाएगा। ऋण लेने की तिथि से २½ प्रतिशत सालाना की दर से व्याज पड़ेगा और यह भी उपरलिखित भाँति ही जिस वर्ष ऋण लिया जाएगा उसके अगले वर्ष की १५ मार्च या उससे पहले चुकाना होगा।

लिया हुआ ऋण किन-किन योजनाओं में लगाया जाएगा, इसकी सरकार जांच कर रही है।

THE MINISTER FOR PRODUCTION (SHRI K. C. REDDY): (a) Yes.

(b) A statement showing the details is laid on the Table of the House.

STATEMENT

Officer of a loan of about Rupees 60 crores by Russia to India.